पंचदश

बिहार विधान-सभा

पंचम सत्र

अल्प-सूचित प्रश्न

वर्ग-3

बुधवार, तिथि 08 चैत्र, 1934 (श०) / 28 मार्च, 2012 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या—03

(1) ग्रामीण विकास विभाग	01
(2) ग्रामीण कार्य विभाग	01
(3) भवन निर्माण विभाग	01
कुल योग	03

दोषी पर कार्रवाई

''क''-47. श्री विनोद प्रसाद यादव--क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिला के आमस प्रखण्ड के इंदिरा आवास में हुई गड़बड़ी की जांच जिला पदाधिकारी, गया द्वारा अनुमण्डल पदाधिकारी, शेरघाटी से करायी गयी थी, जिसका जांच प्रतिवेदन अनुमण्डल पदाधिकारी के कार्यालय के पत्रांक 631, दिनांक 14 जून, 2011 द्वारा कार्रवाई हेतु भेजा गया था, जिसपर अभीतक कोई कार्रवाई नहीं हुई है;

(2) यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार इंदिरा आवास योजना में गड़बड़ी करने वाले दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पथ का पक्कीकरण

53. श्री विनोद प्रसाद यादव--क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिला के वेलागंज स्थित मेन ग्राम से टिकारी थाना के सदोपुर ग्रामीण पथ की लम्बाई मात्र 4 कि०मी० का पक्कीकरण कराने से गया जिला के टेकारी से जहानाबाद जिला के मखदुमपुर की दूरी 70 कि०मी० से घटकर मात्र 20 कि०मी० ही रह जायेगी;

(2) क्या यह बात सही है कि गया जिला के वेलागंज थाना के मेन से जहानाबाद जिला के शकुराबाद थाना के घेजन तक 5 कि०मी० ग्रामीण सड़क के पक्कीकरण करने से मखदुमपुर से घेजन की दूरी 55 कि०मी० से घटकर 15 कि०मी० हो जायेगी;

(3) क्या यह बात सही है कि घेजन में भारतीय पुरातत्व विभाग का केन्द्र एवं बुद्ध सर्किट है, जहां विदेशी पर्यटक बराबर आते है;

(4) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दोनों लिंक पथ को पक्कीकरण करने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक ?

राशि के अपव्यय को रोकना

54. श्री संजय सिंह (टाइगर)--क्या मंत्री, भवन निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2011 के मार्च महीने में कैबिनेट ने यह निर्णय लिया है कि आर० ब्लौक एवं वीरचंद पटेल पथ के सभी आवासों को तोड़कर विधायकों के लिए डुप्लेक्स का निर्माण होगा एवं यह कार्य वर्ष 2012-13 की अवधि में पूर्ण हो जायेगा;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त टूटने वाले आवासों में बिजली का सम्पूर्ण नया वायरिंग तथा व्यापक पैमाने पर मरम्मती, सड़क निर्माण, चापाकल एवं सौन्दर्यीकरण के कार्य हो रहे हैं जिन पर करोड़ों रुपये का अपव्यय हो रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो टूटने वाले आवासों में भारी पैमाने पर करोड़ों की राशि के दुरुपयोग को रोकने हेतु सरकार कौन-सा कारगर कदम उठाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना:
दिनांक 28 मार्च, 2012 (ई०) ।

लक्ष्मीकान्त झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

नोट--''क''-दिनांक 21 मार्च, 2012 को सदन द्वारा स्थगित ।

बि०स०मु० (एल०ए०), 163-डी०टी०पी०--450